नईदुनिया

पप्पू यादव पर चप्पल फेंकने वाले दोनों आरोपियों का बुलंदशहर में स्वागत, फूल बरसाए

नईदुनिया ब्यूरो, बुलंदशहरः बिहार के सांसद पप्पू यादव पर चप्पल से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार सुमित गिरी और हैप्पी शर्मा का शुक्रवार को जमानत पर रिहा होने के बाद बुलंदशहर में स्वागत किया गया। दोनों के पहुंचने पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाए और माला पहनाई। इसके बाद दोनों ने खुली जीप में करीब सात किलोमीटर लंबा रोड शो निकाला। सुमित गिरी और हैप्पी शर्मा जय श्रीराम के नारे लगाते हुए घर पहुंचे। ढोल-नगाड़ों के बीच भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बारिश के बीच समर्थक नाचते भी नजर आए। परिवार के सदस्यों ने दोनों को गले लगाया। सुमित भाजपा के नगर मंत्री और हैप्पी मंडल महामंत्री हैं।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर किया स्वागत, जय श्रीराम के नारे लगाते हुए घर पहुंचे दोनों आरोपी

दोनों पर आरोप है कि उन्होंने 2 अगस्त को पप्पू यादव पर हमला किया था। घटना के दौरान पप्पू यादव ने सुमित को पकड़ लिया था, जबकि उनके समर्थकों ने हैप्पी की पिटाई की थी। इसके बाद दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया था। इससे पहले 31 जुलाई को पप्पू यादव ने संसद में साधु के वेश में चंदा चोरी का नाटक किया था। इसके बाद लखनऊ समेत कई शहरों में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे। एक हिंदूवादी नेता की ओर से पप्पू यादव का सिर कलम करने वाले को 51 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई थी। सुमित गिरी और हैप्पी शर्मा ने आरोप लगाया था कि भगवान श्रीराम के अपमान को लेकर सवाल पूछने पर पप्पू यादव भड़क गए थे। उन्होंने पप्पू यादव और उनके साथियों पर हमला करने, सोने की चेन और घड़ी लूटने का आरोप लगाते हुए दिल्ली के तिलकनगर थाने में शिकायत भी दी थी। दोनों आरोपियों के स्वागत पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सवाल उठाए। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दोषियों के स्वागत की परंपरा जारी है। सुमित की गिरफ्तारी के बाद उनकी मां ने बेटे की रिहाई की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा सही सलामत घर लौट आए और उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

अमेरिका की सुरक्षा भूमिका को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच नए गठबंधन की चर्चा

पाकिस्तान, तुर्किए और सऊदी अरब में हुआ रक्षा समझौता, बदलेगा मध्य-पूर्व का शक्ति संतुलन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः पाकिस्तान, तुर्किए और सऊदी अरब ने शुक्रवार को आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसे मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के नाम से जाना जा रहा है। समझौते के तहत किसी एक सदस्य पर हमला होने की स्थिति को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस समझौते के बाद मध्य-पूर्व में बदलते शक्ति संतुलन और क्षेत्र में अमेरिका की भूमिका को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

यह समझौता पिछले वर्ष रियाद और इस्लामाबाद के बीच हुए इसी तरह के समझौते के बाद हुआ है। तीनों देशों ने इसे क्षेत्रीय खतरों के बीच एकता और अपनी सुरक्षा क्षमता मजबूत करने के प्रयास के रूप में पेश किया है।

हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि किसी एक सदस्य पर हमला होने की स्थिति में बाकी दोनों देश किस स्तर तक सैन्य सहयोग के लिए बाध्य होंगे।

एक सदस्य पर हमला तीनों पर माना जाएगा

तीनों देशों की अपनी अलग रणनीतिक ताकत है। पाकिस्तान के पास युद्ध-अनुभवी सेना, हथियार और परमाणु क्षमता है। तुर्किए आधुनिक ड्रोन तकनीक और रक्षा निर्माण क्षमता के लिए जाना जाता है, जबकि सऊदी अरब के पास मजबूत आर्थिक संसाधन हैं। ऐसे में तीनों देशों की क्षमताओं का मेल इस समझौते को क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण बनाता है।

मध्य-पूर्व में पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। इजरायल-हमास संघर्ष, ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव तथा क्षेत्रीय संघर्षों के बीच कई देश साझा सुरक्षा हितों पर सहयोग बढ़ा रहे हैं। पाकिस्तान भी अफगानिस्तान के साथ सीमा संघर्ष और पहले भारत के साथ हुए सैन्य संघर्ष के अनुभवों से गुजर चुका है। सऊदी अरब को ईरान और उसके सहयोगियों से सुरक्षा चुनौतियां रही हैं, जबकि तुर्किए के कुर्द सशस्त्र समूहों और इजरायल के साथ तनाव हैं।

समझौते को अमेरिका के खिलाफ गठबंधन के रूप में पेश करने से तीनों देश बच रहे हैं। फिर भी अमेरिका की सुरक्षा भूमिका को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच इसके महत्व पर चर्चा हो रही है। सऊदी अरब और तुर्किए लंबे समय से अमेरिका के प्रमुख सुरक्षा साझेदार रहे हैं, लेकिन बदलती अमेरिकी विदेश नीति के बीच वैकल्पिक सुरक्षा व्यवस्था की तलाश बढ़ी है।

आगे मिस्र, कतर, सीरिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के इस ढांचे से जुड़ने की संभावनाओं पर भी चर्चा है। हालांकि, अलग-अलग राष्ट्रीय हितों और पुराने मतभेदों के कारण गठबंधन का विस्तार अभी तय नहीं है। इसकी वास्तविक परीक्षा किसी क्षेत्रीय संकट की स्थिति में होगी, जब तीनों देशों को एक-दूसरे के समर्थन में खड़ा होना पड़ेगा।

दिल्ली में 7 दिनों में 127 मिमी बारिश, 15 वर्ष का रिकार्ड टूटा

कई इलाकों में जलभराव से आवाजाही में परेशानी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः राजधानी दिल्ली में मॉनसून ने अगस्त की शुरुआत में जोर पकड़ लिया है। अगस्त के पहले सात दिनों में दिल्ली में 127 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो वर्ष 2011 के बाद इस अवधि में सबसे अधिक है। लगातार बारिश के कारण राजधानी में कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी और लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज बारिश के बीच देवली इलाके में पार्किंग की दीवार गिरने से आठ गाड़ियां मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गईं। उत्तर प्रदेश में पिछले 25 दिनों से जारी भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाटों पर पानी पहुंच गया है। करीब 84 घाटों का संपर्क टूट गया है। वहीं, 50 से 60 छोटे मंदिरों में भी पानी घुसने की जानकारी है। आगरा में बारिश के कारण सड़क धंस गई, जिससे करीब 20 फीट गहरा गड्ढा बन गया। जम्मू-कश्मीर में बारिश और भूस्खलन के कारण अमरनाथ यात्रा फिर रोक दी गई है। प्रशासन के अनुसार पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर मरम्मत का काम किया जाएगा। इसके चलते यात्रा 9 अगस्त से अगले आदेश तक स्थगित रहेगी।

अबान को पिता की कब्र के पास दफनाया, भाइयों ने दिया कांधा

- जनाजे में उमड़ी भीड़, मां शाइस्ता नहीं पहुंचीं, सुरक्षा में तैनात रहे एक हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी

नईदुनिया ब्यूरो, प्रयागराजः माफिया अतीक अहमद के 21 वर्षीय बेटे अबान को शनिवार शाम कसारी-मसारी कब्रिस्तान में पिता की कब्र के पास सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जनाजे में उसके भाई अली, उमर और अहजम ने कंधा दिया। अबान के जनाजे में करीब पांच से

छह हजार लोग पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए कब्रिस्तान के आसपास एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

अबान का शव लेकर उसका भाई अहजम कब्रिस्तान पहुंचा। उसके पीछे भीड़ भी अंदर जाने लगी। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को पीछे हटाया और कुछ युवकों को बाहर किया। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर कर दिया।

अबान की मां शाइस्ता परवीन जनाजे में शामिल नहीं हुईं। वह वर्ष 2023 से फरार हैं। अबान की गुरुवार को सड़क हादसे में मौत हुई थी। कसारी-मसारी कब्रिस्तान में उसके दादा फिरोज अहमद, चाचा अशरफ और भाई असद की कब्रें भी हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से पैरोल मिलने के बाद अली झांसी जेल और उमर लखनऊ जेल से प्रयागराज पहुंचे। दोनों भाइयों को पुलिस वैन से बाहर लाया गया। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और मस्जिद में नमाज पढ़ी। पुलिस ने कब्रिस्तान में केवल परिवार और रिश्तेदारों को प्रवेश की अनुमति दी।

बाबा अमरनाथ की यात्रा 20 दिन पहले रोकी

बाबा अमरनाथ की यात्रा तय समय से 20 दिन पहले रोक दी गई है। लगातार बारिश और लैंडस्लाइड के कारण रास्ते खराब हो जाने के कारण यह फैसला लिया गया। अब जो जत्थे यात्रा पर हैं, उन्हीं की यात्रा पूरी कराई जाएगी। नए जत्थे नहीं भेजे जाएंगे। अब तक 4.8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। डिविजनल कमिश्नर कश्मीर अंशुल गर्ग ने बताया कि आईएमडी ने अगले कुछ दिनों में खराब मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 9 अगस्त से दोनों रूट पर यात्रा रोकने का फैसला किया गया है। यात्रा भले ही 9 अगस्त से श्रद्धालुओं के लिए बंद हो जाएगी, लेकिन पारंपरिक छड़ी मुबारक कार्यक्रम के साथ इसका धार्मिक समापन होगा। पवित्र छड़ी 28 अगस्त को पारंपरिक पहलगाम मार्ग से अमरनाथ गुफा तक जाएगी और इसी के साथ अमरनाथ यात्रा-2026 का औपचारिक समापन होगा।

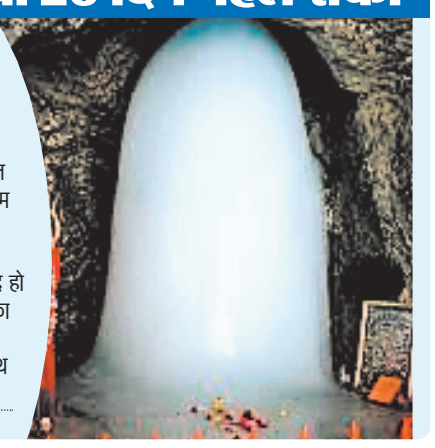

रील 21वीं सदी का नशा, युवाओं को रोजगार के चक्रव्यूह से निकालना होगाः राहुल गांधी

- प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में बोले कांग्रेस नेता, युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया

नईदुनिया ब्यूरो, प्रयागराजः लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं के रोजगार और शिक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 40 करोड़ युवा हैं और यही देश की सबसे बड़ी ताकत हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मौजूदा व्यवस्था युवाओं को एक चक्रव्यूह में फंसा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि परिवारों से लाखों करोड़ रुपये लिए जाते हैं और बदले में बीए-एमए की डिग्री मिलती है, लेकिन यह प्रमाणपत्र रोजगार की गारंटी नहीं देता। उन्होंने दावा किया कि एक हजार युवाओं में केवल 12 युवाओं को स्थायी नौकरी मिलती है। उन्होंने युवाओं के डेटा को लेकर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि युवाओं का डेटा लेकर बड़ी-बड़ी कंपनियों को दिया जाता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार और अवसर देने के बजाय उन्हें दूसरी चीजों में उलझाया जा रहा है।

सोशल मीडिया और रील को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं से कहा जाता है कि जितनी रील देखनी है और जितनी रील बनानी है, बनाओ। उन्होंने रील को 21वीं सदी का नशा बताया।

राहुल गांधी ने कहा कि चीन की चर्चा होती है, लेकिन भारत के युवाओं के सामने उसकी ताकत कुछ भी नहीं है। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए रोजगार और अवसर उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया। प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की बेटी मिराया भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम शाम सात बजे आयोजित किया गया। इसमें 23 जिलों के छात्रों को बुलाया गया था। कांग्रेस ने दावा किया था कि कार्यक्रम के लिए दो लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया है।

टेकऑफ से पहले विमान से आई तेज आवाज, पायलट ने लौटाई फ्लाइट; चार घंटे देरी से दिल्ली रवाना

- रनवे की ओर बढ़ते समय विमान से आई तेज आवाज, 50 यात्रियों में से 30 ने इंतजार के बाद यात्रा छोड़ी

नईदुनिया ब्यूरो, लुधियानाः हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-484 शुक्रवार को टेकऑफ से पहले तकनीकी परेशानी में फंस गई। विमान रनवे की ओर बढ़ रहा था, तभी उसमें से तेज आवाज सुनाई दी। इसके बाद पायलट ने विमान को आगे ले जाने के बजाय वापस एप्रन पर खड़ा कर दिया। तकनीकी जांच के

कारण उड़ान करीब चार घंटे की देरी से दिल्ली के लिए रवाना हुई।

विमान में सवार सभी यात्रियों को उतारकर बसों के जरिए सुरक्षित टर्मिनल भवन तक पहुंचाया गया। इसके बाद विमान की तकनीकी जांच की गई और जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शाम करीब सात बजे इसे दिल्ली के लिए रवाना किया गया।

इस दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट पर करीब चार घंटे इंतजार करना पड़ा। दोपहर की इस उड़ान में 50 यात्री सवार थे। देरी की जानकारी मिलने के बाद 30 यात्रियों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी और घर लौट गए। वहीं, 20 यात्री एयरपोर्ट पर रुके रहे और बाद में विमान से दिल्ली रवाना हुए।

प्रत्यक्षदर्शी अमनदीप सिंह के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 2:40 बजे विमान यात्रियों के साथ एप्रन से रनवे की ओर बढ़ रहा था। तभी विमान के आगे की ओर से तेज आवाज सुनाई दी। आवाज के बाद उड़ान रोक दी गई और विमान को वापस एप्रन पर लाया गया। यात्रियों को कर्मचारियों ने तकनीकी गड़बड़ी की जानकारी दी।

स्वतंत्रता दिवस पर पीएम युवाओं को संबोधित करें, शिक्षा-बेरोजगारी पर बताएं कदमः अभिजीत दीपके

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्वतंत्रता दिवस पर देश के युवाओं को संबोधित करने का आग्रह किया है। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं को बताएं कि सरकार शिक्षा, बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई के मुद्दों पर उनके लिए क्या कदम उठा रही है।

दीपके ने अपनी पोस्ट के साथ एक लिंक साझा करते हुए लोगों से पिटीशन पर हस्ताक्षर करने की अपील की। शनिवार सुबह चार बजे तक इस याचिका पर 32 हजार से ज्यादा लोगों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया। पोस्ट में दिए गए लिंक पर जाने पर कॉकरोच जनता पार्टी की वेबसाइट खुलती है, जहां पिटीशन पर हस्ताक्षर करने का विकल्प उपलब्ध है।

दीपके ने गुरुवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में मीडिया से बातचीत के दौरान सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करने की घोषणा भी की थी। उन्होंने कहा था कि इस अभियान के तहत गांवों और शहरों में जाकर युवाओं से बातचीत की जाएगी।

नई व्यवस्था *स्कूल फीस में पारदर्शिता के लिए नई व्यवस्था, कक्षा के हिसाब से शुल्क ऑनलाइन करना होगा अपलोड...*

तेलंगाना के निजी स्कूलों को फीस सार्वजनिक करने का आदेश

नईदुनिया ब्यूरो, हैदराबादः तेलंगाना सरकार ने निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में फीस को लेकर पारदर्शिता बढ़ाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों को 2026-27 शैक्षणिक सत्र के लिए कक्षा के अनुसार निर्धारित फीस की जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया है। स्कूलों को फीस का विवरण अपने परिसर के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर प्रदर्शित करना होगा। इसके साथ ही पूरी जानकारी शिक्षा विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर भी अपलोड करनी होगी।

शिक्षा विभाग के निर्देश के अनुसार, स्कूलों को अलग-अलग कक्षाओं के लिए निर्धारित फीस का पूरा विवरण उपलब्ध कराना होगा। विभाग के स्कूल शिक्षा निदेशक ई. नवीन निकोलस ने अधिकारियों को अपने क्षेत्र के सभी निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। फीस से जुड़ी जानकारी शिक्षा विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

स्कूलों को केवल फीस का विवरण ही नहीं, बल्कि 2026-27 सत्र की फीस के समर्थन में जरूरी दस्तावेज भी ऑनलाइन जमा करने होंगे। इन दस्तावेजों पर स्कूल की प्रबंधन समिति के सदस्यों के

हस्ताक्षर होना जरूरी होगा। शिक्षा विभाग ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित निजी स्कूल निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें।

इस व्यवस्था के तहत अभिभावकों को स्कूल में प्रवेश लेने या अगले शैक्षणिक सत्र की फीस जमा करने से पहले संबंधित कक्षा का फीस स्ट्रक्चर देखने की सुविधा मिलेगी।

इससे अभिभावक अलग-अलग कक्षाओं के शुल्क की जानकारी पहले से हासिल कर सकेंगे और स्कूल की फीस को समझने में आसानी होगी।

शिक्षा विभाग के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में फीस से संबंधित जानकारी को अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाना है।

नई व्यवस्था के तहत फीस की जानकारी स्कूल परिसर में सार्वजनिक करने के साथ-साथ वेबसाइट और शिक्षा विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। अधिकारियों को स्कूलों में इस प्रक्रिया के पालन की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।